

Literacy for a Billion

Movie: Dus Year: 2005

Here now here now Everybody put your hands up in the air now Here now here now Everybody put your hands all up and say

उसकी आँखों में बातें बातों में जादू

Say Here now here now Say Here now here now

उसकी आँखों में बातें बातों में जादू जादू में खो गए हम हो गए बेकाबू

I looked at you you looked at me और हो गई मुश्किल

and you became my destiny तू ही मेरी मंज़िल दस बहाने कर के ले गए दिल ले गए दिल दस बहाने कर के ले गए दिल दस बहाने कर के ले गए दिल ले गए दिल दस बहाने कर के ले गए दिल Here now here now

Song: Dus Bahane Karke Le Gaye Dil

Lyricist: Panchhi Jalonvi

Everybody put your hands up in the air now Here now here now Everybody put your hands all up and say

ये दिल तो पहले ऐसा नहीं था किसने बहकाया ऐसा सपना दिखाया क्यों

ये आँखें मेरी देखें उसी को सोचे बिना ही उसे अपना बनाया क्यों

जीना तो मरने से अब है कहीं मुश्किल खुद को जो खोया तो वो हो गया हासिल

Here we go दस बहाने कर के ले गए दिल ले गए दिल Here we go now

दस बहाने कर के ले गए दिल दस बहाने कर के ले गए दिल ले गए दिल दस बहाने कर के ले गए दिल

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.



Literacy for a Billion

उसकी आँखों में बातें बातों में जादू जादू में खो गए हम हो गए बेकाबू

I looked at you you looked at me और हो गई मुश्किल

and you became my destiny तू ही मेरी मंज़िल दस बहाने कर के ले गए दिल ले गए दिल दस बहाने कर के ले गए दिल

दस बहाने कर के ले गए दिल ले गए दिल दस बहाने कर के ले गए दिल

Put your hands up and say Here now here now Everybody put your hands up in the air now Here now here now Everybody put your hands all up and say Here now here now

दस बहाने कर के ले गए दिल ले गए दिल दस बहाने कर के ले गए दिल दस बहाने कर के ले गए दिल ले गए दिल दस बहाने कर के ले गए दिल

Everybody put your hands up in the air now Here now here now

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.